No.	Title	Author or commentator	Leaves	Granthas	Age	Remarks
583	तत्त्वत्रय	नारायणयज्ञेश्वर	8	150		आं P. L. वि.वे.
584	तत्त्वत्रयनिरूपण	वरदार्य	15	300		द्र. P.L. ,,
585	तत्त्वप्रकाशिका	आनन्दतीर्थ	6–8			न. ना. P.L. द्वैत.
586	,, व्याख्या-भाव प्रकाशिका or मन्दारमञ्जरी	व्यासतीर्थ	153–182			,, ,, ,,
587	,, ,,	,,	40			,,
588	तत्त्वप्रदीपिका	चित्सुख	167			
589	,,	,,	105			२, परिच्छेद.
590	,,	,,	12–47			परिच्छेद 1.
591	,,	,,	19			,, 4.
592	,, व्याख्या-नयनप्रसादिनी	प्रत्यक्स्वरूप	122			,, 1.
593	,, व्याख्या-नयनप्रसादिनी	,,	284	5,000		,, ,, old ms.
594	तत्त्वबोध	वासुदेवेन्द्र शिष्य	2–6		सं. 1844	
595	,,	,,	3			
596	तत्त्वमुक्तावलीमाया-वादशतदूषणी	गौडपूर्णानन्द चक्रवर्ती	7		सं. 1865	द्वैत.
597	,, ,,	,,	9		सं. 1894	,,
598	,, ,,	,,	11			,,
599	तत्त्वरत्नप्रकाशिका	आनन्दतीर्थ (विद्युल्लात्मज)	8–120	4,000		न.ना. P. L. द्वैत.
600	तत्त्वविवृति	,,	1			,, ,, ,, ,,
601	तत्त्वविवेक	,,	4–5			,, ,, ,, ,,
602	,, व्या-भाव-प्रकाशिका	व्यासतीर्थ	108–152	500		,, ,, ,, ,,
603	तत्त्वविवेकदीपन	नृसिंहाश्रमी	2–58			परिच्छेद 1.

No.	Title	Author or commentator	Leaves	Granthas	Age	Remarks
604	तत्त्वविवेकदीपन	नृसिंहाश्रमी	67 + 27			आं. P. L. परिच्छेद 1.
605	,,	,,	19–131			परिच्छेद 1 सम. 2nd contd ll. 89-108 missing.
606	,,	,,	29			परिच्छेद 2.
607	तत्त्वसंस्थान	आनन्दतीर्थ	2			न. ना. P.L. द्वैत.
608	तत्त्वसिद्धान्तबिन्दु	अनन्तराम	1	25		
609	तत्त्वानुसन्धान	महादेव सरस्वती	29			
610	,,	,,	18		सं. 1866	
611	,,	,,	39			असम. ll. 1-9 & 11 missing.
612	,,	,,	61		सं. 1867	
613	,,	,,	34			
614	,,	,,	11		सं. 1892	
615	,, -व्याख्या	स्वयम्प्रकाशानन्द-सरस्वती	30		सं. 1899	
616	तत्त्वोद्योत	आनन्दतीर्थ	9–16			न. ना. P.L. द्वैत.
617	,,	,,	4			,, ,, ,, ,,
618	,, -विवरण	जयतीर्थ	53	1,700		,,
619	,, ,,	,,	36			,, ,, ,, ,,
620	,, -पञ्जिका-व्याख्या	(नरसिंह यति)	183–280	1,200		,, ,, ,, ,, असम.
621	तत्त्वोपदेश (अध्यात्मरामायण)		40	350		के. P. L. 6 अ.
622	तन्त्रसारसंग्रह or तन्त्रसार	आनन्दतीर्थ	31			द्वैत.

No.	Title	Author or commentator	Leaves	Granthas	Age	Remarks
623	तन्त्रसारसंग्रह or तन्त्रसार	आनन्दतीर्थ	35			न. ना. P.L. ll. 2–8 missing. द्वैत.
624	,,	,,	90			न. ना. P.L. द्वैत.
625	,, -व्याख्या	शेषाचार्य	48			3. अ. ,,
626	,, -विवृति	नारायण	22	1,800		न. ना. P.L. द्वैत.
627	,, ,,	,,	66	,,		,, ,, ,, ,,
628	,, -व्याख्या-तन्त्र-सारार्थसंग्रह	छलारिशेष	50			अ, 1, ,,
629	,, ,, ,,	,,	27			,, ,, ,, द्वैत.
630	तर्कताण्डव	व्यासयति	319	7,200		
631	तारतम्यसंग्रह		3			Injured.
632	तारावली	मीनाक्षीश्वर	4	30	D. C. 4642 कलि.	आं. P.L.
633	त्रिमङ्गलवार्त्तिक	त्रिमङ्गल	83			50, अ.
634	,, -विवरण	,,	2–37			7, अ.
635	त्रिमतैक्यप्रकाशिका	अय्यण	105	2,000		द्र. P. L. असम. This is a work reconciling the three schools of thought, namely Śankara, Mādhva and Rāmānuja.

No.	Title	Author or commentator	Leaves	Granthas	Age	Remarks
636	दशप्रकरण with टीका	त्रिविक्रमाचार्य मू. टीकाचार्य टी.	38–100			न.ना. P.L. द्वैत. much injured.
637	दुर्वासाप्रतीकार दशक	अमरेश्वर	47–49			आं. P. L.
638	द्वादशमहावाक्य-सिद्धान्त	शङ्कराचार्य	26		सं. 1841	
639	नयमयूखमालिका	अप्पयदीक्षित	130			अ, 1, 3 पा.
640	निर्वाणदशक	शङ्कराचार्य	2			
641	निर्वेदप्रकरण		4	28		
642	नैष्कर्म्यसिद्धि	सुरेश्वराचार्य	34			
643	,, -व्याख्या	ज्ञानोत्तम मिश्र	119			
644	न्यायविवरण with टीका-न्याय प्रकाशिका	आनन्दतीर्थ मू. आनन्दतीर्थ (विट्ठलात्मज) व्या.	43			न.ना. P. L. 3, अ. द्वैत.
645	न्यायामृत	व्यासतीर्थ	10			द्र. P. L. असम. द्वैत.
646	,, व्याख्या-तरङ्गिणी	रामाचार्य	130			असम, ll. 109, 117 missing. Injured. द्वैत.
647	,, तरङ्गिणीकल्लोल		19			असम. ,,
648	न्यासविंशतिव्याख्या	वेदान्तदेशिक	29	1,000		द्र. P. L. Injured.
649	पञ्चदशी	विद्यारण्य	159			द्र. P. L. Injured.
650	,,	,,	40		श. 1711	
651	,,	,,	141		सं. 1808	
652	,, व्याख्या-तात्पर्य बोधिनी	रामकृष्ण	474			

No.	Title	Author or commentator	Leaves	Granthas	Age	Remarks
653	पञ्चदशीव्याख्या-तात्पर्य-बोधिनी	रामकृष्ण	147		सं. 1900	old. Upto. ll. 89.
654	,, ,, ,,	,,	237			द्र. P. L. old ms.
655	,, ,, ,,	,,	9–244			द्र. P. L.
656			206			With a picture on the front page.
657	,, ,, ,,	,,	336			
658	,, ,, ,,	,,	415			
659	,, ,, ,,	,,	212			
660	,, ,, ,,	,,	165		सं. 1796	चित्रदीप– End.
661	,, ,, ,,	,,	52			5. प्रक,
662	,, ,, ,,	,,	41		सं. 1868	,, ,, ll. 11-28 missing.
663	,, ,, ,,	,,	142		सं. 1864	
664	,, ,, ,,	,,	65–225			महावाक्य विवेक–योगानन्द. old ms.
665	,, ,, ,,	,,	225			प्रक, 8 missing.
666	पञ्चपादिकाव्याख्या-कण्ठीरव	विज्ञान वासोयति व्या.	79	1,500		के. P. L. असम.
667	पञ्चपादिकाव्याख्या विवरण	प्रकाशात्मा	193	4,000		आं P. L.

No.	Title	Author or commentator	Leaves	Granthas	Age	Remarks
668	पञ्चपादिकाव्याख्या-तत्त्वप्रदीपिका		88	2,000		असम, Injured. Begins with:– सर्वसाक्षिण-माश्रित्य नर-केसरिणं गुरुम् विश्वेशं गिरिजां दुण्ढिं व्याकुर्वे पञ्चपादिकाम्.
669	पञ्चरत्न	शङ्कराचार्य	1			द्र. P. L. द्वैत.
670	पञ्चश्लोकीव्याख्या	कृष्ण, तिरुमलाचार्यपुत्र	60	1,500		
671	पञ्चीकरणवार्त्तिक	सुरेश्वराचार्य	3–11			द्र. P. L. Injured.
672	,,	,,	6			
673	,,	,,	53–56		सं. 1886	
674	परकीयाधिकरण शरीरखण्डन	अहोबल, नरसिंहार्यपुत्र	62	2,000		न. ना. P.L. अ, 1, 2 पा. द्वैत.
675	परमार्थनिर्णय		11			भागवत, स्कं, 11, अ, 28. ll. 4-5 missing.
676	पुरुषार्थदशक	भर्तृहरि	31–75			के. P. L.
677	प्रणवनिर्णय		2		सं. 1844	
678	प्रपञ्चमिथ्यात्वानुमान खण्डन	आनन्दतीर्थ	1			न. ना. P.L. द्वैत.
679	,,	,,	8–9			,, ,, ,, ,,
680	,, -विवरण	जयतीर्थ	16			,,

No.	Title	Author or commentator	Leaves	Gran-thas	Age	Remarks
681	प्रपञ्चहृदय		53	1,500		के. P. L. 8, प्र.
682	,,		14–45			,, ,, 3-6प्र, सम, 7th. contd.
683	प्रबोधदीपिका		37	1,000		द्र. P. L. 12, उल्लास.
684	,,		11–77	1,000		द्र. P. L. 12, उल्लास.
685	प्रमाणखण्डन	प्रगल्भभट्टाचार्य	57		सं. 1938	2, परिच्छेद सम, परिच्छेद 3 contd.
686	प्रमाणपद्धति	जयतीर्थ	16+7			न. ना. P.L. Two copies द्वैत.
687	प्रमाणपद्धति-व्याख्या-भावदीप	राघवेन्द्र	26			असम. ,,
688	प्रमाणपद्धति-व्याख्या-अभिनवामृत	सत्यनाथयति	63	2,000		,,
689	प्रमाणपद्धति-व्याख्या	वेदेशतीर्थ	82			ll. 11-12, 14-16, 27-28, 31-32, & 39-48 missing. द्वैत.
690	,, ,,	,,	46–74			न. ना. P.L. Wants beginning. द्वैत.
691	प्रमाणमाला	आनन्द बोधाचार्य	5			Injured.
692	प्रमाणलक्षण	आनन्दतीर्थ	2			न. ना. P.L.

No.	Title	Author or commentator	Leaves	Gran-thas	Age	Remarks
693	प्रमाणलक्षण	आनन्दतीर्थ	4			न. ना. P.L. द्वैत.
694	,,	,,	4			आं. P. L. द्वैत.
695	,,	,,	3			,,
696	,, with टीका	,,	15			न. ना. P.L. द्वैत.
697	प्रमेयमाला	वरदाचार्य	12			न ना. P.L. 7-8, अ. द्वैत.
698	प्रश्नावली	जडभरत, माधवानन्दशिष्य	9		सं. 1921	ll. 1, 3 missing.
699	प्रश्नोत्तरगुरुरत्न		7			के.P.L.l.1, missing.
700	प्रश्नोत्तरमालिका	शङ्कराचार्य	2	32	श. 1781	
701	प्रस्थानभेद	मधुसूदनसरस्वती	7		सं. 1770	
702	प्रौढानुभव	(अमरेश्वर)	43–46			आं. P. L.
703	बोधार्या	सदाशिव ब्रह्मेन्द्र	13	153		द्र. P. L.
704	ब्रह्मतत्त्वबोधिनी	कृष्णानन्द यति	50	700		,, ,, ll. 15-25 missing.
705	ब्रह्मतर्कस्तव	अप्पयदीक्षित	8	52		द्र. P. L. Injured.
706	ब्रह्मविद्याविजय	रामानुजदास	68	2,000		आं. P. L. Second part of the वेदान्त-विजय.
707	,,	,,	74	,,		आं. P. L. Injured.
708	ब्रह्मसूत्र	व्यास	12			द्र. P. L.
709	,,	,,	72–78			,, ,,
710	,,	,,	19			,, ,,

No.	Title	Author or commentator	Leaves	Granthas	Age	Remarks
711	ब्रह्मसूत्र	व्यास	7			
712	,,	,,	30			
713	,,	,,	44–50		सं. 1886	
714	,, सटिप्पण	,,	23		सं. 1840	
715	,, with वृत्ति		53			
716	,, ,,		36			अ,1.11.1–6 & 24–26 missing.
717	,, भाष्य-अम्बार्थ-सूत्रवृत्ति	रामभद्र, विनायक पुत्र	190			द्र. P. L. Injured.
718	,, संक्षिप्तव्याख्या	रामधन	25		सं. 1809, D. C.	सूत्राणि 555.
719	,, भाष्य	श्रीशुकभगवत्पादाचार्य	77			द्र. P. L. 3–4, अ.
720	,, ,, मन्त्र-शारीरक	नीलकण्ठ	2–56			Upto अ.2, पा. 3.
721	,, ,, ,,	नीलकण्ठ, चतुर्धरवंशीय	53			1, अ. पा. 2, सम, पा. 3. contd.l.2, missing.
722	,, ऋजुव्याख्या	विज्ञानभिक्षु	298			2, अ.
723	,, वृत्ति-ब्रह्मामृत-वर्षिणी	रामानन्द	182			
724	,, ,, ,,	,,	257			
725	,, ,, ,,	,,	201		सं. 1891	
726	,, ,, ,,	,,	144			
727	,, ,, ,,	,,	235		सं. 1921	
728	,, ,, ,,	,,	27			द्र. P.L. 1-2अ. Much injured.
729	,, ,, ,,	,,	64			2–4 अ.

No.	Title	Author or commentator	Leaves	Granthas	Age	Remarks
730	ब्रह्मसूत्रवृत्ति-ब्रह्मामृत-वर्षिणी	रामानन्द	194			3 अ.
731	,, ,,-सूत्रार्थ प्रकाशिका	जयराम	218	5,000	सं. 1870	
732	,, ,,-समञ्जसा	अनूपनारायण	120			l. 119 missing.
733	,, भाष्य	शङ्कराचार्य	388	8,000		द्र. P. L.
734	,, ,,	,,	194			,, ,, Fine & old ms.
735	,, ,,	,,	20–221			द्र. P. L. 1–2, अ. Vol. I. Old ms.
736	,, ,,	,,	222–323			द्र. P. L. 3–4; अ. Vol. II. Old ms.
737	,, ,,	,,	61+21			3–4, अ.
738	,, ,,	,,	129			अ, 1.
739	,, ,,	,,	4			असम.
740	,, ,,	,,	6			असम.
741	ब्रह्मसूत्रभाष्य-व्याख्या-भाष्य-रत्नप्रभा	गोविन्दानन्द	58			आं. P. L. अ,1, पा, 1. Injured.
742	,, ,, ,,	,,	149–293	6,000		द्र. P. L. 2–4, अ.
743	,, ,, ,,	,,	103	2,000		आं. P. L. अ,1,पा, 1–3
744	,, ,, ,,	,,	85–158			द्र. P. L. 3–4, अ.
745	,, ,,	रामानन्द	133	5,000		द्र. P. L. अ, 1.

No.	Title	Author or commentator	Leaves	Granthas	Age	Remarks
746	ब्रह्मसूत्रभाष्यव्याख्या	रामानन्द	49	1,000		द्र. P. L. अ, 1. 1–4 सू.(चतुस्सूत्री) Old ms.
747	,, ,, -व्याख्या	,, अच्युतकृष्ण	9	350		द्र. P. L. असम.
748	,, ,,	आनन्दगिरि	77			के. P. L. अ, 2. Injured.
749	,, ,, -ब्रह्मविद्याभरण	अद्वैतानन्द	460			
750	,, ,, -भामती	वाचस्पति मिश्र	175–344	8,000		द्र. P. L. Old ms.
751	,, ,, ,,	,,	153	5,000		आं. P. L. 1–2, अ. Fine old script.
752	,, ,, ,,	,,	43			द्र. P. L. असम.
753	,, भामतीव्याख्या वेदान्तकल्पतरु	अमलानन्द	235	10,000		आं. P. L. Fine old script.
754	,, ,, ,,	,,	237	10,000		आं. P. L. Fine old script.
755	,, ,, ,,	,,	454		सं. 1848	
756	,, ,, ,,	,,	80			द्र.P.L.अ,1 सम, 2nd. contd.
757	,, ,, ,,	,,	120			द्र.P.L.अ,1 सम, old ms.

No.	Title	Author or commentator	Leaves	Granthas	Age	Remarks
758	ब्रह्मसूत्रभाष्यव्याख्या-भामतीव्याख्या-वेदान्तकल्पतरु	अमलानन्द	159			अ, 1 सम, old ms.
759	,, ,, ,,	,,	46			अ, 2, पा, 2. चतुस्सूत्री.
760	,, ,, ,,	,,	37			
761	,, ,, ,, व्याख्या-परिमल	अप्पयदीक्षित	191	8,000		आं. P. L. 1–2, अ.
762	,, ,, ,, ,,	,,	315			,, ,, अ, 1.
763	,, ,, ,, ,,	,,	227–424			द्र. P. L. From अ, 1. पा. 4– End.
764	ब्रह्मसूत्रभाष्य व्याख्या-न्याय-रक्षामणि	,,	129			द्र. P. L. अ, 1, पा, 1 सम, 2nd. contd.
765	,, ,, ,,	,,	32			द्र. P. L. अ, 1, पा, 1.
766	,, व्याख्या-ऋजुविवरण	सर्वज्ञविष्णु भट्टोपाध्याय, स्वामीन्द्रशिष्य	4–202	6,000		के. P. L. Old & Injured.
767	ब्रह्मसूत्रव्याख्या-तर्कामृततरङ्गिणी		23			अ, 4, असम. द्वैत.
768	ब्रह्मसूत्रभाष्य	आनन्दतीर्थ	111			,,
769	,, ,,	,,	2–55		श. 1678	Injured. द्वैत.
770	,, ,,	,,	109			न. ना. P.L. द्वैत.
771	,, ,,	,,	56			,, ,, ,, Fine script द्वैत.

No.	Title	Author or commentator	Leaves	Granthas	Age	Remarks
772	ब्रह्मसूत्रभाष्य	आनन्दतीर्थ	12			न. ना. P.L. अ, 1; पा, 1. द्वैत.
773	,, ,,-विवरण		35			न. ना. P.L. 3, अ. In श्लोक. द्वैत.
774	,, भाष्यव्याख्या-सूत्रार्थदीपावली	पद्मनाभतीर्थ	166–199			न. ना. P.L. upto अ, 2. पा, 3. द्वैत.
775	,, भाष्यव्याख्या तत्त्वदीपिका	त्रिविक्रमाचार्य	200–308			न. ना. P.L. द्वैत.
776	,, भाष्यव्याख्या-तत्त्वप्रकाशिका	जयतीर्थ	173, 35–60 & 30			ll. 14, 87–89 & 159 missing. Injured. द्वैत.
777	,, ,, ,,	,,	226			न. ना. P.L. Upto अ,4, पाद, 3, सम.
778	,, ,, ,,	,,	79			Much injured द्वैत. अ. 2–3, पा 2. द्वैत.
779	,, ,, ,,	,,	143–303			न. ना. P.L. From अ, 2,पा,3–end. द्वैत.
780	,, ,, ,,	,,	101			Much injured. Written in different hands

No.	Title	Author or commentator	Leaves	Granthas	Age	Remarks
						Leaves are not clearly marked. द्वैत.
781	ब्रह्मसूत्रभाष्यव्याख्या-तत्त्वप्रकाशिका-व्याख्या-भावदीप	राघवेन्द्रयति	100	2,200		न. ना. P.L. असम. Injured. द्वैत.
782	,, ,, ,, ,,	,,	80+108 th	2,000		न. ना. P.L. अ, 1, पा, 1 असम. द्वैत.
783	,, ,, ,, तन्त्र-दीपिका	,,	41			न. ना. P.L. अ, 1, Much injured. द्वैत.
784	,, ,, ,, -भावबोध	रघूत्तमयति	14–23, 25–36, 215–332			अ, 2, पा, 1. Two copies. अ,3,पा3–4, असम. द्वैत.
785	,, ,, ,, ,,	,,	45			अ, 3. ,,
786	,, ,, ,, अभिनव-चन्द्रिका	सत्यनाथयति	700			Much injured द्वैत.
787	,, ,, ,, तात्पर्य-चन्द्रिका	व्यासयति	100–202			न. ना. P.L. From अ, 1, पा, 2–अ, 2, पा, 3. द्वैत.
788	,, ,, ,, ,,	,,	40			न. ना. P.L. आनन्दमयाधिकरण & जन्माधिकरण. Stray leaves द्वैत.

No.	Title	Author or commentator	Leaves	Granthas	Age	Remarks
789	ब्रह्मसूत्रभाष्य व्याख्या तत्त्वप्रकाशिका व्याख्या तात्पर्य-चन्द्रिका-व्याख्या		60	2,000		न. ना. P.L. Begins with:—श्लो:— समस्तगुणसम्पूर्ण- सर्वदोषविवर्जितम् । ज्ञानिप्रियतमं वन्दे मुक्तिदं कमलापतिम् ॥ पदवाक्यप्रमाणज्ञान्, सम्प्रदायार्थकोविदान् । व्यासतीर्थमुनीन् सेवे दुर्वादिफणिपक्षिपान् ॥ अस्मद्देशिकपादानां प्रणम्य चरणाम्बुजम् । तात्पर्यचन्द्रिकाव्याख्यां विधास्यामि यथामति ॥ द्वैत.
790	,, ,, ,, व्याख्या		48			न, ना. P.L. Begins with. श्लो:— रामं सर्वगुणैः पूर्णं निर्दोषं साधुसेवितम् । मुकुन्दं जानकीनाथं प्रणमामि निरन्तरम् ॥ अथैतत्कृपया ब्रह्म- सूत्रभाष्यप्रकाशिकाम् । व्याकरिष्ये यथाबोधम् , ... द्वैत ॥
791	,, ,, ,, सारसंग्रह		16			पद्माधिकरण । ll. 2–3, 6–10 missing.
792	,, भाष्य-अणुभाष्य	आनन्दतीर्थ	2			न. ना. P. L. द्वैत.
793	,, ,, ,, वृत्ति		9–131			From अ, 1, पा, 2–अ, 3, पा, 3. द्वैत.
794	,, ,, ,, व्याख्या-न्यायसुधा	जयतीर्थ	67–153	4,000		न. ना. P. L. अ,1.

No.	Title	Author or commentator	Leaves	Granthas	Age	Remarks
795	ब्रह्मसूत्रभाष्य-अणु भाष्यव्याख्या-न्यायसुधा	जयतीर्थ	152	3,000		न.ना. P. L. अ, 2, पा, 1–3. द्वैत.
796	,, ,, ,,	,,	160			न.ना. P. L. Upto अ,2, पा, 3. द्वैत.
797	,, ,, न्यायसुधा व्याख्या-वाक्यार्थ-विवृति	श्रीनिवास	74			न.ना. P. L. असम. द्वैत.
798	,, ,, ,, (सुधा) टिप्पणी	यदुपति	127			असम. Injured. द्वैत.
799	,, ,, ,, ,,	,,	168			अ,2, सम. अ, 3contd. द्वैत
800	,, ,, ,, ,,	,,	24–49+141			न.ना. P. L. From अ. 2-End. द्वैत
801	,, ,, ,, ,,	,,	39+46			अ, 1.
802	,, ,, ,, परिमल	राघवेन्द्र यति	3–224			अ, 1. पा, 1. असम. ll.17-18, 120, 139-140, 199,203& 204 missing. द्वैत.
803	,, भाष्य	रामानुजाचार्य	230	7,000		द्र. P. L. 1-3,अ.वि.वे.
804	,, ,, व्याख्या-पाराशर्यविजय	रामानुजदास	111–205	1,200		आं. P. L. From ईक्षत्यधिकरण अ, 1, पा, 2, ll. 117-141 missing. वि. वे.

No.	Title	Author or commentator	Leaves	Granthas	Age	Remarks
805	ब्रह्मसूत्रभाष्य व्याख्या-पाराशर्य विजय	रामानुजदास	152–196			आं. P. L. अ. 1. वि. वे.
806	,, ,, ,, श्रुतप्रकाशिका व्याख्या-(भावप्रकाशिका)	सुदर्शन & वरदविष्णु	80+130	5,000		आं. P. L. From अ, 2, पा, 2-अ, 3, पा, 4, Much injured.वि.वे.
807	,, ,, ,, ,,	,,	140–197			आं. P. L. From अ, 3, पा,4-अ 4. ll. 149-158 missing. Much injured.वि.वे.
808	भवरुद्रकल्पवल्ली	भवदेवमिश्र	82	1,000		खं. 1. द्वैत.
809	भारततात्पर्यनिर्णय	आनन्दतीर्थ	232			
810	,,	,,	38			आं. P. L. Stray leaves. Injured. द्वैत.
811	,, व्याख्या	वादिराज	47			न.ना. P. L. 3,अ. द्वैत.
812	,, ,,	,,	69			न.ना. P. L. 32, अ. द्वैत.
813	,, ,,	,,	8–49; 69			न.ना. P. L. 11-16 अ. Two cops. द्वैत.

No.	Title	Author or commentator	Leaves	Granthas	Age	Remarks
814	भारततात्पर्यनिर्णय व्याख्या	वादिराज	25–88	2,500		न. ना.P. L. 19-21 सम. 22nd. contd.Injured.
815	,, ,,-भावविवृति	(श्रीनिवास)	61			न. ना. P.L. 11, अ. द्वैत.
816	,, ,,-पदार्थ-दीपिका	जनार्दन भट्ट	502			Injured. द्वैत.
817	,, ,, ,,	,,	574			ll. 9-39, 45-66, 68, 79, 122, 143, 233, 267, 272, 278-279, 290-299, 302, 339-45, 356-490 missing. Injured. 491-574 different leaves.
818	भाष्यार्थमञ्जरी		68			ll. 4-19, 35, 43-59, & 61 missing. द्वैत.
819	भेदधिक्कार with व्याख्या-सत्क्रिया	नृसिंह मु. नारायणाश्रम व्या.	25		सं. 1847	
820	,, ,, ,,	,,	40			

No.	Title	Author or commentator	Leaves	Granthas	Age	Remarks
821	भेदोज्जीवन	व्यासयति	10			न.ना. P. L.
822	मतरहस्यरत्नावली		32			द्र. P. L. 4, परिच्छेद. Injured.
823	मध्वमतमुखमर्दन with व्याख्या-मध्वविध्वंसन	अप्पयदीक्षित (मू. & व्या.)	47	1,000		आं. P. L.
824	मनीषापञ्चक	शङ्कराचार्य	1			,, ,,
825	,,	,,	1			द्र. P. L.
826	,, व्याख्या-तात्पर्यदीपिका	शिवयोगीन्द्र शिष्य	16	350		,, ,,
827	महावाक्यरत्नावली	रामचन्द्रतीर्थ	65	1,500		,, ,,
828	,,	,,	20			आं. P. L. असम. Injured.
829	,,	,,	22			द्र. P. L. 13, प्रक.
830	,, -प्रभा	,,	338	6,000		द्र. P. L.
831	महावाक्यविचार	शङ्कराचार्य	78–92	200		,, ,,
832	महावाक्यविवरण		10	150		,, ,,
833	महावाक्यार्थ	शङ्कराचार्य	11			
834	,,	,,	3		सं. 1886	
835	महावाक्यार्थविचार	अमरेश्वर	54–57			आं. P. L.
836	मायापञ्चक	शङ्कराचार्य	3			द्र. P. L.
837	मायावादखण्डन	आनन्दतीर्थ	1			न. ना. P.L. द्वैत.
838	,,	,,	5–6			,, ,, ,, ,,
839	,, -व्याख्या	जयतीर्थ	11		सं. 1744	द्वैत.
840	मिथ्यात्वानुमान खण्डन	आनन्दतीर्थ	8–9			,, ,, ,, ,,
841	मुक्तिप्रकाशसूत्र or महाशास्त्रशतसूत्री with वृत्ति	जगन्नाथमिश्र मू. गोकुलचन्द्र वृ.	38	400	सं. 1848 D. C.	

No.	Title	Author or commentator	Leaves	Granthas	Age	Remarks
842	मुग्धमनोदमन		16–45	287		असम.
843	यतीन्द्रमतदीपिका	वाधूल श्रीनिवास	9	170		आं. P. L. 2, अवतार, सम, 3rd. contd.
844	योगवासिष्ठ or वासिष्ठरामायण		336		सं. 1355(?)	ll. 203-223, 333-334 missing.
845	,,		177			उत्पत्तिप्रकरण.
846	,,		17, 269-280			मोक्षस्थिति-प्रकरण.
847	,,		23	1,000		मुमुक्षुप्रकरण.
848	,, व्याख्या-चन्द्रिका	आत्मसुख	10; 1			,, 1 leaf in उपशमे.
849	,, ,, ,,	,,	87			उत्पत्तिप्रकरण.
850	,, ,, ,,	,,	51–94			,,
851	,, ,, ,,	,,	36			वैराग्यप्रकरण, old ms.
852	,, ,, ,,	,,	36			वैराग्यप्रकरण 3, s. l. 13 missing.
853	,, ,, ,,	,,	10			उपशमप्रकरण.
854	,, ,, ,,	,,	136			निर्वाणप्रकरण. 28-43 s. असम.
855	,, ,, -तात्पर्य-प्रकाश	आनन्दबोध सरस्वती	864			निर्वाण & उत्पत्तिप्रकरण.
856	,, ,, -संसार तरणि	मुम्मडिदेव	12–92			उपशमप्रकरण. असम.
857	,, ,, ,,	,,	138		सं. 1799	निर्वाणप्रकरण. 43. s.